रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

201 लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, सोमवार, 24 जुलाई, 2023 पृष्ठ : 8 मूल्य :

कृषि विश्वविद्यालय ने स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की 117वीं जयंती मनाई

अनवर अशरफ । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने आज दिनांक 23 जुलाई, 2023 को भारत के सपूत स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की विश्वविद्यालय परिसर में 117वीं जयंती मनाई। कुलसचिव ने विश्वविद्यालय परिसर में आजाद की प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्या ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है।कि इस भारत के महान सपूत क्रांतिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है। इस अवसर पर उन्हों ने कहा कि महान क्रांतिकारी के हृदय में देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेम था कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया। और फिर अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। आजाद जी से अंग्रेज सरकार कांपती थी। उन्होंने कहा था कि मैं आजाद था, आजाद हूं, और आजाद रहूंगा। और अंतिम सांसों तक आजाद रहे। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी. के. सिंह, निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव, डॉक्टर लोकेंद्र सिंह, डॉ राजीव,डॉ विजय यादव, डॉक्टर संजीव शर्मा, डॉ रामजी गुप्ता, मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान एवं कुलपति के तकनीकी सचिव ओम प्रकाश सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी पुष्पमाला अर्पित कर क्रांतिकारी सपूत को नमन किया।

सीएसए ने मनायी शहीद चंद्रशेखर आजाद की 117वीं जयंती

चन्द्रशेखर आजाद को श्रृद्धांजलि देते सीएसए के पदाधिकारी।

कानपुर, 23 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने रविवार को भारत के सपूत स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की विश्वविद्यालय परिसर में 117वीं जयंती मनाई। कुलसचिव ने विश्वविद्यालय परिसर में आजाद की प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. सी एल मौर्या ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है। इस भारत के महान सपूत क्रांतिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है। उन्होंने कहा कि महान क्रांतिकारी के हृदय में देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेम था कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया और फिर अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। चंद्रशेखर आजाद से अंग्रेज सरकार कांपती थी। उन्होंने कहा था कि मैं आजाद था, आजाद हूं, और आजाद रहूंगा और अंतिम सांसों तक आजाद रहे। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी. के. सिंह, निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव, डॉक्टर लोकेंद्र सिंह, डॉ राजीव, डॉ विजय यादव, डा. संजीव शर्मा, डॉ रामजी गुप्ता, मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान एवं कुलपति के तकनीकी सचिव ओम प्रकाश सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी पुष्पमाला अर्पित कर क्रांतिकारी सपूत को नमन किया।

प्रगतिशील कृषकों ने किया केवीके का भ्रमण

कानपुर, 23 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर विकासखंड सरवन खेड़ा के कृषकों का प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर भ्रमण हरितिका संस्था के परियोजना समन्वयक श्री जयकुमार के नेतृत्व में कराया गया। केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने कृषकों को बताया कि कृषक भाई केंद्र पर उपस्थित कृषक लाभकारी इकाइयों का अवलोकन कर वैज्ञानिकों से उनकी तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त करें।उन्होंने किसानों से कहा कि वे कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों से मोबाइल द्वारा जुड़े रहे जिससे कृषि संबंधी नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्राप्त होती रहे। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने जैविक खेती एवं डीएसआर पद्धति से धान की वैज्ञानिक खेती के बारे में कृषकों को विस्तार से जानकारी दी। डॉ खान ने कहा कि डीएसआर पद्धति से धान की बुवाई में अधिक पैदावार तथा प्रति हेक्टेयर क्षेत्रफल में लागत में कमी आती है। वैज्ञानिक डा.निमिषा अवस्थी ने स्वयं सहायता समूह के गठन पर जोर दिया।जबकि पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने पशुओं में होने वाली संक्रामक बीमारियों से रोकथाम विषय पर चर्चा की। उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने औधानिक फसलों के बारे में जानकारी दी।प्रसार वैज्ञानिक डा. राजेश राय ने किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा कृषक हितेषी किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। तत्पश्चात केंद्र पर केंद्र के वैज्ञानिको, कृषकों एवं संस्था के पदाधिकारियों ने वृहद वृक्षारोपण कार्य भी किया। इस अवसर पर संस्था की ईशा तिवारी, नेहा उपाध्याय, सौरभ कुमार,आदित्य सिंह एवं विजय सहित विकासखंड सरवन खेड़ा के देवकली,फतेहपुर रोशनाई, लोदीपुर सहित कई गांवों के किसान उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 26 कानपुर, सोमवार 24 जुलाई 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

स्वतंत्रता संग्राम के महानायक चंद्रशेखर आजाद की 117वीं मनाई जयंती

कानपुर । सीएसए के कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने भारत के सपूत स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की विश्वविद्यालय परिसर में 117वीं जयंती मनाई। कुलसचिव ने विश्वविद्यालय परिसर में आजाद की प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्या ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है।कि इस भारत के महान सपूत क्रांतिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान क्रांतिकारी के हृदय में देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेम था कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया। और फिर अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। आजाद जी से अंग्रेज सरकार कांपती थी। उन्होंने कहा था कि मैं आजाद था, आजाद हूं, और आजाद

रहूंगा। और अंतिम सांसों तक आजाद रहे। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी. के. सिंह, निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव, डॉक्टर लोकेंद्र सिंह, डॉ राजीव,डॉ विजय यादव, डॉक्टर संजीव शर्मा, डॉ रामजी गुप्ता, मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान एवं कुलपति के तकनीकी सचिव ओम प्रकाश सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी पुष्पमाला अर्पित कर क्रांतिकारी सपूत को नमन किया।

क्रांतिवीर चंद्रशेखर आजाद की सीएसए में मनाई गई 117वीं जयंती

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

प्रदीप शर्मा

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर में बीते दिन रविवार को भारत के सपूत स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की 117वीं जयंती मनाई गई। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पी. के. उपाध्याय ने आजाद की प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. सी. एल. मौर्या ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है कि इस भारत के महान सपूत क्रांतिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है। उन्होंने कहा कि महान क्रांतिकारी आजाद ने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया और फिर अपना पूरा जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा था कि मैं आजाद था, आजाद हूं, और आजाद रहूंगा। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ .पी. के. सिंह, निदेशक प्रसार डॉ. आर. के. यादव, डॉ. लोकेंद्र सिंह, डॉ.खलील खान एवं कुलपति के तकनीकी सचिव ओम प्रकाश सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी पुष्पमाला अर्पित कर क्रांतिकारी सपूत को नमन किया।

Title-code: UPHIN-48963

E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

समाचार पत्र

24,07,2023 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल 9956834016

पत्रकार जीतेंद्र सिंह पटेल

प्रगतिशील कृषकों का कृषि विज्ञान केंद्र पर हुआ प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर भ्रमण

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर विकासखंड सरवन खेड़ा के कृषकों का प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर भ्रमण हरितिका संस्था के परियोजना समन्वयक श्री जयकुमार के नेतृत्व में कराया गया। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने कृषकों को बताया कि कृषक भाई केंद्र पर उपस्थित कृषक लाभकारी इकाइयों का अवलोकन कर वैज्ञानिकों से उनकी तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त करें।उन्होंने किसानों से कहा कि वे कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों से मोबाइल द्वारा जुड़े रहे जिससे कृषि संबंधी नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्राप्त होती रहे। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने जैविक खेती एवं डीएसआर पद्धति से धान की वैज्ञानिक खेती के बारे में कृषकों को विस्तार से जानकारी दी। डॉ खान ने कहा कि डीएसआर पद्धति से धान की बुवाई में अधिक पैदावार तथा प्रति हेक्टेयर क्षेत्रफल में लागत में कमी आती है। वैज्ञानिक डा.निमिषा अवस्थी ने स्वयं सहायता समूह के गठन पर जोर दिया।जबकि पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने पशुओं में होने वाली संक्रामक बीमारियों से रोकथाम विषय पर चर्चा की। उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने औधानिक फसलों के बारे में जानकारी दी।प्रसार वैज्ञानिक डा. राजेश राय ने किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा कृषक हितेषी किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। तत्पश्चात केंद्र पर केंद्र के वैज्ञानिको, कृषकों एवं संस्था के पदाधिकारियों ने वृहद वृक्षारोपण कार्य भी किया। इस अवसर पर संस्था की ईशा तिवारी, नेहा उपाध्याय, सौरभ कुमार,आदित्य सिंह एवं विजय सहित विकासखंड सरवन खेड़ा के देवकली,फतेहपुर रोशनाई, लोदीपुर सहित कई गांवों के किसान उपस्थित रहे।

मैं आजाद था, आजाद हूं, और आजाद रहूंगा

सी एस ए ने क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की 117वीं जयंती मनाई

डीटीएनएन, कानपुर देहात

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने आज दिनांक 23 जुलाई, 2023 को भारत के सपूत स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की विश्वविद्यालय परिसर में 117वीं जयंती मनाई। कुलसचिव ने विश्वविद्यालय परिसर में आजाद की प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्या ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है कि इस भारत के महान सपूत क्रांतिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान क्रांतिकारी के हृदय में देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेम था कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया। और फिर अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। आजाद जी से अंग्रेज सरकार कांपती थी। उन्होंने कहा था कि मैं आजाद था, आजाद हूं, और आजाद रहूंगा। और अंतिम सांसों तक आजाद रहे। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी. के. सिंह, निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव, डॉक्टर लोकेंद्र सिंह, डॉ राजीव,डॉ विजय यादव, डॉक्टर संजीव शर्मा, डॉ रामजी गुप्ता, मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान एवं कुलपति के तकनीकी सचिव ओम प्रकाश सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी पुष्पमाला अर्पित कर क्रांतिकारी सपूत को नमन किया।

email: shahardayaranews@gmail.com

दैनिक

शहर दायरा न्यूज़

हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय

https://www.facebook.com/shahardayaranews/

वर्ष 8 अंक: 287 | कानपुर, सोमवार 24 जुलाई 2023 | पृष्ठ: 8 | मूल्य-2.00 ₹

प्रगतिशील कृषकों का कृषि विज्ञान केंद्र पर हुआ प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर भ्रमण

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर विकासखंड सरवन खेड़ा के कृषकों का प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर भ्रमण हरितिका संस्था के परियोजना समन्वयक जयकुमार के नेतृत्व में कराया गया इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने कृषकों को बताया कि कृषक भाई केंद्र पर उपस्थित कृषक लाभकारी इकाइयों का अवलोकन कर वैज्ञानिकों से उनकी तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त करें उन्होंने किसानों से कहा कि वे कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों से मोबाइल द्वारा जुड़े रहे जिससे कृषि संबंधी नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्राप्त होती रहे। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने जैविक खेती एवं डीएसआर पद्धति से धान की वैज्ञानिक खेती के बारे में कृषकों को विस्तार से जानकारी दी। डॉ खान ने कहा कि डीएसआर पद्धति से धान की बुवाई में अधिक पैदावार तथा प्रति हेक्टेयर क्षेत्रफल में लागत में कमी आती है वैज्ञानिक डा. निमिषा अवस्थी ने स्वयं सहायता समूह के गठन पर जोर दिया जबकि पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने पशुओं में होने वाली संक्रामक बीमारियों से रोकथाम विषय पर चर्चा की उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने औधानिक फसलों के बारे में जानकारी दी प्रसार वैज्ञानिक डा. राजेश राय ने किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा कृषक हितेषी किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी तत्पश्चात केंद्र पर केंद्र के वैज्ञानिको, कृषकों एवं संस्था के पदाधिकारियों ने वृहद वृक्षारोपण कार्य भी किया इस अवसर पर संस्था की ईशा तिवारी, नेहा उपाध्याय, सौरभ कुमार, आदित्य सिंह एवं विजय सहित विकासखंड सरवन खेड़ा के देवकली, फतेहपुर रोशनाई, लोदीपुर सहित कई गांवों के किसान उपस्थित रहे

प्रगतिशील कृषकों ने किया केवीके का भ्रमण

कानपुर, 23 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर विकासखंड सरवन खेड़ा के कृषकों का प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर भ्रमण हरितिका संस्था के परियोजना समन्वयक श्री जयकुमार के नेतृत्व में कराया गया। केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने कृषकों को बताया कि कृषक भाई केंद्र पर उपस्थित कृषक लाभकारी इकाइयों का अवलोकन कर वैज्ञानिकों से उनकी तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त करें।उन्होंने किसानों से कहा कि वे कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों से मोबाइल द्वारा जुड़े रहे जिससे कृषि संबंधी नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्राप्त होती रहे। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने जैविक खेती एवं डीएसआर पद्धति से धान की वैज्ञानिक खेती के बारे में कृषकों को विस्तार से जानकारी दी। डॉ खान ने कहा कि डीएसआर पद्धति से धान की बुवाई में अधिक पैदावार तथा प्रति हेक्टेयर क्षेत्रफल में लागत में कमी आती है। वैज्ञानिक डा.निमिषा अवस्थी ने स्वयं सहायता समूह के गठन पर जोर दिया।जबकि पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने पशुओं में होने वाली संक्रामक बीमारियों से रोकथाम विषय पर चर्चा की। उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने औधानिक फसलों के बारे में जानकारी दी।प्रसार वैज्ञानिक डा. राजेश राय ने किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा कृषक हितेषी किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। तत्पश्चात केंद्र पर केंद्र के वैज्ञानिको, कृषकों एवं संस्था के पदाधिकारियों ने वृहद वृक्षारोपण कार्य भी किया। इस अवसर पर संस्था की ईशा तिवारी, नेहा उपाध्याय, सौरभ कुमार,आदित्य सिंह एवं विजय सहित विकासखंड सरवन खेड़ा के देवकली,फतेहपुर रोशनाई, लोदीपुर सहित कई गांवों के किसान उपस्थित रहे।

अमर उजाला कानपुर 24/07/2023

चंद्रशेखर आजाद को किया याद

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की 117वीं जयंती मनाई गई। रजिस्ट्रार डॉ. पीके उपाध्याय ने विवि परिसर स्थित आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। यहां डॉ. सीएल मौर्या, डॉ. पीके सिंह, डॉ. आरके यादव, डॉ. लोकेंद्र सिंह, डॉ. विजय यादव, डॉ. राजीव, डॉ. खलील खान आदि मौजूद रहे। (ब्यूरो)

जैविक खेती एवं डीएसआर पद्धति से धान की वैज्ञानिक खेती करें

प्रगतिशील कृषकों का कृषि विज्ञान केंद्र पर प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर भ्रमण

अटीएनएन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर विकासखंड सरवन खेड़ा के कृषकों का प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर भ्रमण हरितिका संस्था के परियोजना समन्वयक श्री जयकुमार के नेतृत्व में कराया गया। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने कृषकों को बताया कि कृषक भाई केंद्र पर उपस्थित कृषक लाभकारी इकाइयों का अवलोकन कर वैज्ञानिकों से उनकी तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त करें।उन्होंने किसानों से कहा कि वे कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों से मोबाइल द्वारा जुड़े रहे जिससे कृषि संबंधी नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्राप्त होती रहे। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने जैविक खेती एवं डीएसआर पद्धति से धान की वैज्ञानिक खेती के बारे में कृषकों को विस्तार से जानकारी दी। डॉ खान ने कहा कि डीएसआर पद्धति से धान की बुवाई में अधिक पैदावार तथा प्रति हेक्टेयर क्षेत्रफल में लागत में

कमी आती है। वैज्ञानिक डा.निमिषा अवस्थी ने स्वयं सहायता समूह के गठन पर जोर दिया।जबकि पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने पशुओं में होने वाली संक्रामक बीमारियों से रोकथाम विषय पर चर्चा की। उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने औधानिक फसलों के बारे में जानकारी दी।प्रसार वैज्ञानिक डा. राजेश राय ने किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा कृषक हितेषी किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। तत्पश्चात केंद्र पर केंद्र के वैज्ञानिको, कृषकों एवं संस्था के पदाधिकारियों ने वृहद वृक्षारोपण कार्य भी किया। इस अवसर पर संस्था की ईशा तिवारी, नेहा उपाध्याय, सौरभ कुमार, आदित्य सिंह एवं विजय सहित विकासखंड सरवन खेड़ा के देवकली,फतेहपुर रोशनाई, लोदीपुर सहित कई गांवों के किसान रहे।

दैनिक जागरण कानपुर 24/07/2023

कृषि विज्ञानियों ने लगाया 'आजाद रहूंगा' का नारा

कानपुर : सीएसए विश्वविद्यालय में रविवार को स्वतंत्रता संग्राम के महानायक अमर बलिदानी चंद्रशेखर आजाद की 117वीं जयंती मनाई गई। कुलसचिव डा. पीके उपाध्याय के साथ विश्वविद्यालय के शिक्षकों व छात्रों ने क्रांतिवीर आजाद के नारे 'आजाद हूं, आजाद रहूंगा' का नारा लगाया। गोल चौराहा स्थित आजाद वाटिका में महापौर प्रमिला पांडेय, विधायक सुरेंद्र मैथानी, चंद्रशेखर आजाद जनकल्याण समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश पांडेय, वीआर गुप्त ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। जासं

हिन्दुस्तान का इतिहास हिन्दी दैनिक

कृषि विश्वविद्यालय ने चंद्रशेखर आजाद की मनाई गई 117वीं जयंती

हिन्दुस्तान का इतिहास

कानपुर-चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने रविवार को भारत के सपूत स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की विश्वविद्यालय परिसर में 117वीं जयंती मनाई कुलसचिव ने विश्वविद्यालय परिसर में आजाद की प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्या ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है कि इस भारत के महान सपूत क्रांतिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान क्रांतिकारी के हृदय में देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेम था कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया और फिर अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया आजाद से अंग्रेज सरकार कांपती थी उन्होंने कहा था कि मैं आजाद था, आजाद हूं, और आजाद रहूंगा और अंतिम सांसों तक आजाद रहे इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी. के. सिंह, निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव, डॉक्टर लोकेंद्र सिंह, डॉ राजीव, डॉ विजय यादव, डॉक्टर संजीव शर्मा, डॉ रामजी गुप्ता, मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान एवं कुलपति के तकनीकी सचिव ओम प्रकाश सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी पुष्पमाला अर्पित कर क्रांतिकारी सपूत को नमन किया।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

201 लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, सोमवार, 24 जुलाई, 2023 पृष्ठ : 8 मूल्य :

प्रगतिशील कृषकों का कृषि विज्ञान केंद्र पर हुआ प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर भ्रमण

(रहस्य संदेश) कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर विकासखंड सरवन खेड़ा के कृषकों का प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर भ्रमण हरितिका संस्था के परियोजना समन्वयक श्री जयकुमार के नेतृत्व में कराया गया। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने कृषकों को बताया कि कृषक भाई केंद्र पर उपस्थित कृषक लाभकारी इकाइयों का अवलोकन कर वैज्ञानिकों से उनकी तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त करें।उन्होंने किसानों से कहा कि वे कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों से मोबाइल द्वारा जुड़े रहे जिससे कृषि संबंधी नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्राप्त होती रहे। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने जैविक खेती एवं डीएसआर पद्धति से धान की वैज्ञानिक खेती के बारे में कृषकों को विस्तार से जानकारी दी। डॉ खान ने कहा कि डीएसआर पद्धति से धान की बुवाई में अधिक पैदावार तथा प्रति हेक्टेयर क्षेत्रफल में लागत में कमी आती है। वैज्ञानिक डा. निमिषा अवस्थी ने स्वयं सहायता समूह के गठन पर जोर दिया।जबकि पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने पशुओं में होने वाली संक्रामक बीमारियों से रोकथाम विषय पर चर्चा की। उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने औधानिक फसलों के बारे में जानकारी दी।प्रसार वैज्ञानिक डा. राजेश राय ने किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा कृषक हितेषी किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। तत्पश्चात केंद्र पर केंद्र के वैज्ञानिको, कृषकों एवं संस्था के पदाधिकारियों ने वृहद वृक्षारोपण कार्य भी किया। इस अवसर पर संस्था की ईशा तिवारी, नेहा उपाध्याय, सौरभ कुमार,आदित्य सिंह एवं विजय सहित विकासखंड सरवन खेड़ा के देवकली,फतेहपुर रोशनाई, लोदीपुर सहित कई गांवों के किसान उपस्थित रहे।

सर्वश्रेष्ठ चिकित्सकों द्वारा इलाज एवं आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित...

वैष्णवी हॉस्पिटल

An ISO Certified Multi Speciality Hospital ISO 900:2008

मो.नं.- 0512-2626699, 9415731974 7525022701, 7380363023

कुशल एवं अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा दूरबीन विधि से ऑपरेशन व इलाज किया जाता है।

आपातकालीन चिकित्सा सेवायें एवं एम्बुलेंस सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

आयुष्मान कार्ड धारकों का निशुल्क इलाज

E-mail: vaishnavihospital11kanpur@gmail.com

Website: www.vaishnavihospital.in

सुविधायें

1A 23, आवास विकास हंसपुरम्, नौबस्ता बम्बा कैनाल रोड (केस्को गेट नं.-2 के सामने) कानपुर- 21

स्वतंत्रता संग्राम के महानायक व क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की 117वीं जयंती मनाई गई

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने आज को भारत के सपूत स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की विश्वविद्यालय परिसर में 117वीं जयंती मनाई। कुलसचिव ने विश्वविद्यालय परिसर में आजाद की प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्या ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है कि इस भारत के महान सपूत क्रांतिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान क्रांतिकारी के हृदय में देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेम था कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया। और फिर अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। आजाद जी से अंग्रेज सरकार कांपती थी। उन्होंने कहा था कि मैं आजाद था, आजाद हू, और आजाद रहूंगा। और अंतिम सांसों तक आजाद रहे। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी. के. सिंह, निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव, डॉक्टर लोकेंद्र सिंह, डॉ राजीव,डॉ विजय यादव, डॉक्टर संजीव शर्मा, डॉ रामजी गुप्ता, मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान एवं कुलपति के तकनीकी सचिव ओम प्रकाश सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी पुष्पमाला अर्पित कर क्रांतिकारी सपूत को नमन किया।

प्रगतिशील कृषकों का कृषि विज्ञान केंद्र पर हुआ प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर भ्रमण

हिन्दुस्तान का इतिहास

कानपुर-चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर विकासखंड सरवन खेड़ा के कृषकों का प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर भ्रमण हरितिका संस्था के परियोजना समन्वयक जयकुमार के नेतृत्व में कराया गया इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने कृषकों को बताया कि कृषक भाई केंद्र पर उपस्थित कृषक लाभकारी इकाइयों का अवलोकन कर वैज्ञानिकों से उनकी तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त करें उन्होंने किसानों से कहा कि वे कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों से मोबाइल द्वारा जुड़े रहे जिससे कृषि संबंधी नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्राप्त होती रहे। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने जैविक खेती एवं डीएसआर पद्धति से धान की वैज्ञानिक खेती के बारे में कृषकों को विस्तार से जानकारी दी। डॉ खान ने कहा कि डीएसआर पद्धति से धान की बुवाई में अधिक पैदावार तथा प्रति हेक्टेयर क्षेत्रफल में लागत में कमी आती है वैज्ञानिक डा. निमिषा अवस्थी ने स्वयं सहायता समूह के गठन पर जोर दिया जबकि पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने पशुओं में होने वाली संक्रामक बीमारियों से रोकथाम विषय पर चर्चा की उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने औधानिक फसलों के बारे में जानकारी दी प्रसार वैज्ञानिक डा. राजेश राय ने किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा कृषक हितेषी किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी तत्पश्चात केंद्र पर केंद्र के वैज्ञानिको, कृषकों एवं संस्था के पदाधिकारियों ने वृहद वृक्षारोपण कार्य भी किया इस अवसर पर संस्था की ईशा तिवारी, नेहा उपाध्याय, सौरभ कुमार, आदित्य सिंह एवं विजय सहित विकासखंड सरवन खेड़ा के देवकली, फतेहपुर रोशनाई, लोदीपुर सहित कई गांवों के किसान उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 26 कानपुर, सोमवार 24 जुलाई 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

कृषि विज्ञान केंद्र पर प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर भ्रमण

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर विकासखंड सरवन खेड़ा के कृषकों का प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर भ्रमण हरितिका संस्था के परियोजना समन्वयक जयकुमार के नेतृत्व में कराया गया। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने कृषकों को बताया कि कृषक भाई केंद्र पर उपस्थित कृषक लाभकारी इकाइयों का अवलोकन कर वैज्ञानिकों से उनकी तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त करें।उन्होंने किसानों से कहा कि वे कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों से मोबाइल द्वारा जुड़े रहे जिससे कृषि संबंधी नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्राप्त होती रहे। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने जैविक खेती एवं डीएसआर पद्धति से धान की वैज्ञानिक खेती के बारे में कृषकों को विस्तार से जानकारी दी। डॉ खान ने कहा कि डीएसआर पद्धति से धान की बुवाई में अधिक पैदावार तथा प्रति हेक्टेयर क्षेत्रफल में लागत में कमी आती है। वैज्ञानिक डा.निमिषा अवस्थी ने स्वयं सहायता समूह के गठन पर जोर दिया।जबकि पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने पशुओं में होने वाली संक्रामक बीमारियों से रोकथाम विषय पर चर्चा की। उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने औधानिक फसलों के बारे में जानकारी दी।प्रसार वैज्ञानिक डा. राजेश राय ने किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा कृषक हितेषी किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। तत्पश्चात केंद्र पर केंद्र के वैज्ञानिको, कृषकों एवं संस्था के पदाधिकारियों ने वृहद वृक्षारोपण कार्य भी किया।

इस अवसर पर संस्था की ईशा तिवारी, नेहा उपाध्याय, सौरभ कुमार,आदित्य सिंह एवं विजय सहित विकासखंड सरवन खेड़ा के देवकली,फतेहपुर रोशनाई, लोदीपुर सहित कई गांवों के किसान उपस्थित रहे।

वन महोत्सव में डी जी कॉलेज, का

कानपुर । मुख्यमंत्री सरकार योगी आदित्यनाथ के द्वारा ५वन महोत्सव-2023५ हेतु निध लक्ष्य के तहत डी जी कॉलेज में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अधिकारी डॉ संगीता सिरोही के निर्देशन में एनएसएस वॉलिंटियर्स के द्वारा पौधारोपण किया गया। करीपत्ता, मीठी नीम, अशोक हारसिंगार, कनेर, चांदनी, चमेली आदि के पौधे लगाए गए। कार्यवाहक प्राचार्या प्रो वंदना निगम ने महाविद्यालय की समस्त छात्राओं, प्राध्यापिकाओ तथा क जनता की अधिकतम भागीदारी तथा हरित प्रदेश के लक्ष्य को सुनिश्चित करने हेतु स्वयं तथा को एक-एक पौधा जरूर लगाने तथा वृक्षों एवं पौधों का संरक्षण करने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देशानुसार वृक्षारोपण करते हुए फोटो क्लिक कर हरितिमा वन ऐप पर अपलोड भी की ग मुकुलिका हितकारी, प्रो पप्पी मिश्रा, प्रो अलका श्रीवास्तव, प्रो सुमन सिंह, प्रो रचना प्रकाश की

email: shahardayaranews@gmail.com

दैनिक

शहर दायरा न्यूज

हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय

https://www.facebook.com/shahardayaranews/

वर्ष 8 अंक: 287 | कानपुर, सोमवार 24 जुलाई 2023 | पृष्ठ: 8 | मूल्य-2.00 ₹

कृषि विश्वविद्यालय ने चंद्रशेखर आजाद की मनाई गई 117वीं जयंती

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने रविवार को भारत के सपूत स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की विश्वविद्यालय परिसर में 117वीं जयंती मनाई कुलसचिव ने विश्वविद्यालय परिसर में आजाद की प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्या ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है कि इस भारत के महान सपूत क्रांतिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान क्रांतिकारी के हृदय में देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेम था कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया और फिर अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया आजाद से अंग्रेज सरकार कांपती थी उन्होंने कहा था कि मैं आजाद था, आजाद हूं, और आजाद रहूंगा और अंतिम सांसों तक आजाद रहे इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी. के. सिंह, निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव, डॉक्टर लोकेंद्र सिंह, डॉ राजीव, डॉ विजय यादव, डॉक्टर संजीव शर्मा, डॉ रामजी गुप्ता, मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान एवं कुलपति के तकनीकी सचिव ओम प्रकाश सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी पुष्पमाला अर्पित कर क्रांतिकारी सपूत को नमन किया।